खबर संक्षेप

CEIR पोर्टल के माध्यम से 23 मोबाइल फोन खोजकर किए गए सुपुर्द

मण्डला। थाना महाराजपुर पुलिस द्वारा CEIR (Central Equipment Identity Register) पोर्टल के माध्यम से तकनीकी विश्लेषण एवं प्रयासों के बाद कुल 23 गुम हुए मोबाइल फोन को ट्रेस कर वास्तविक धारकों को सुपुर्द किया गया। इस अवसर पर साइबर डेस्क महाराजपुर द्वारा मोबाइल प्राप्त करने आए नागरिकों एवं उनके परिजनों को साइबर जागरूकता हेतु पंपलेट वितरित किए गए, जिनमें ऑनलाइन धोखाधड़ी, सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, ओटीपी/लिंक शेयरिंग से संबंधित सतर्कता संबंधी जानकारी दी गई। पुलिस अधीक्षक मंडला के निर्देशन में जिले के सभी थानों में गुम / चोरी मोबाइलों की खोजबीन हेतु निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत अब तक लगभग 1700 मोबाईल सर्च कर लौटाए गये। महाराजपुर प्रभारी एवं उनकी टीम की यह सराहनीय पहल तकनीक के माध्यम से जनता को त्वरित सहायता देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यदि किसी नागरिक का मोबाइल फोन गुम या चोरी हो जाता है, तो वह तत्काल निकटतम थाने में जाकर CEIR पोर्टल के माध्यम से रिपोर्ट दर्ज करा सकते हैं। पुलिस द्वारा उचित कार्यवाही कर मोबाइल को ट्रेस करने के हरसंभव प्रयास किए जाते हैं।

अंजनिया कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का योगाभ्यास

मण्डला। कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. शासन के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग अभ्यास कार्यक्रम अंजनिया में आयोजित किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम विशाखापट्टनम में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा एवं सुना गया।

जब पालन नहीं कराना तो निकालते ही क्यों है ऐसे आदेश

शासकीय आदेशों की उड़ रही धज्जियाँ

*** बड़े अधिकारियों पर हावी पहुंच वाले छोटे कर्मचारी।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

यदि किसी जिले में कलेक्टर के ही आदेश की अवहेलना हो रही हो उस आदेश का पालन नहीं कराया जा रहा हो जबकि आदेश पर स्पष्ट रूप से अंकित है कि तत्काल प्रभाव से इसे लागू किया जाए तब तो समझा जा सकता है कि किस तरह से प्रशासनिक व्यवस्था जिले की गर्त पर जा रही हैं।

जिले का शायद ही कोई विभाग हो जहां अधिकारी अपनी मनमानी नहीं कर रहे हो लेकिन जिला प्रशासन है कि महज निर्देशों तक ही सीमित है बैठकों में समझाइश दे दी जाती है समाचार पत्रों में इसकी विज्ञप्ति जारी कर दी जाती है बस हो गया हकीकत में कब व्यवस्थाएं ठीक होगी कब सुचारू होगी कहां नहीं जा सकता।

जिले का शिक्षा विभाग हो या राजस्व विभाग यहां शासन के निर्देशों का पालन करना तो दूर अपनी ही मर्जी से काम किया जा रहा है खनिज विभाग और आबकारी विभाग तो पहले से ही इनके काबू में नहीं है अब आजीविका मिशन जैसा महकमा भी अपनी मनमानी पर उतारू है और मिशन संचालक असहाय नजर आ रहे हैं भ्रष्टाचार के मामले में आजीविका मिशन का कोई तोड़ नहीं यहां पदस्थ अधिकारी कर्मचारी सिर्फ और सिर्फ शासन की योजनाओं एवं समूह की दीदियों के माध्यम से काली कमाई करने में लगे हुए हैंआजीविका मिशन के ब्लॉक प्रबंधक हो या सहायक प्रबंधक या जिला प्रबंधक एवं जिले के पदाधिकारी सभी समूह पर अनावश्यक दबाव बनाकर अपनी जेबें गर्म कर रहे हैं समूह की महिलाएं डर के मारे किसी को नहीं बताती और ना ही कहीं शिकायत करती हैं कुछ समूह ने ऐसी हिम्मत दिखाई तो उनके समूह को ही काली सूची में डाल दिया गया कुछ वर्ष पूर्व स्कूली गणवेश को लेकर एक बड़े भ्रष्टाचार का मामला इस विभाग का सामने आया था इसमें एक सहायक ब्लॉक प्रभारी की भूमिका महत्वपूर्ण बताई गई जिसने पूरा फर्जीवाड़ा किया था लेकिन उसकी जांच आज भी चल रही है वह कब अपने अंतिम निर्णय पर पहुंचेगी कहां नहीं जा सकता इस बड़े भ्रष्टाचार के मामले में कोई कार्यवाही नहीं हुई तो इस व्यक्ति के हौसले बढ़ते गए और इसने समूहों के साथ-साथ अपने साथी कर्मचारियों पर भी दबाव बनाना शुरू कर दिया हद तो तब हो गई जब उसने एक समूह की दीदीयो से 50000 रूपये की मांग की और जब मांग पूरी नहीं हुई तो उसने धान खरीदी का अधिकार उनसे छीन लिया उनके समूह की एंट्री नहीं कराई गई और उनके समूह को काली सूची में डालने का कुचक्र चलाया गया जब मामला मीडिया के माध्यम से प्रकाश में आया तो ले देकर इस कर्मचारी का बिछिया ब्लॉक स्थानांतरण कर दिया गया अब इस कर्मचारी की पहुंच देखिए इसने सिर्फ बिछिया में चार्ज लिया और 20 जनवरी से जून 25 तक किसी भी दिन वह वहां पर नहीं गया तथा डंके की चोट पर मंडला में ही अपना काम करता रहा महज 6 महीने के अंदर ही दो बार इस पद पर इसकी प्रति नियुक्ति कर दी गई अब यह मंडला ब्लॉक में ही पदस्थ है इन 6 माह में कलेक्टर के दो आदेश निकले एक तो इस कर्मचारी को मंडला से बिछिया भेजा गया जहां इसने एक दिन भी काम नहीं किया और मजबूरन जिला कलेक्टर को दूसरा आदेश जारी करना पड़ा जिसमें इसे बिछिया से मंडला लाया गया ताकि यह कर्मचारी अपनी मनमर्जी से काम कर सके यदि जिले में जिला प्रशासन या उच्च अधिकारियों की यही क्षमता या हैसियत रह गई है तो फिर जिले का तो भगवान ही मालिक है कहा जाता है कि यह व्यक्ति पूरे आजीविका मिशन को वर्तमान में संचालित कर रहा है डीपीएम भी महज एक मुखौटा मात्र है योजनाओं का क्रियान्वयन एवं समूह से वसूली पूरी इसी के जिम्मे है और इसके साथ इसी की मानसिकता वाले लोग भी इसके काले कारनामों में इसका साथ दे रहे हैं यह लोग समूह की दीदियों को प्रताड़ित करने में भी गुरेज नहीं करते।

एक ओर देश के प्रधानमंत्री समूह के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की आर्थिक दशा उन्नत करने में लगे हुए हैं वे उन्हें लखपति बना रहे हैं तो जिले में ऐसे भी कर्मचारी हैं जो इन दीदियों को प्रताड़ित करने उनके स्वाभिमान को उनकी प्रगति को प्रभावित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

मंडला जिले के सभी 13 थानों में साइबर डेस्क की स्थापना

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

साइबर अपराधों पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु मंडला पुलिस द्वारा जिले के सभी 13 थानों में साइबर डेस्क की स्थापना की गई है। प्रत्येक थाने में 01 उप निरीक्षक/सहायक उप निरीक्षक तथा 02-02 आरक्षक/प्रधान आरक्षक को साइबर डेस्क हेतु कार्य के लिए आदेशित किया गया है। इन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जिला मुख्यालय मंडला में विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया, दो सत्रो मे आयोजित प्रशिक्षण में उन्हें नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (NCRP – www. cyber crime.gov.in) के माध्यम से शिकायत दर्ज करने, उसकी मॉनिटरिंग करने तथा प्रभावी कार्रवाई की प्रक्रिया में प्रशिक्षित किया गया। प्रत्येक पुलिस स्टेशन में साइबर डेस्क स्थापित किए जा रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य नागरिकों के लिए साइबर अपराधों की रिपोर्ट करना और समय पर सहायता प्राप्त करना आसान बनाना है, खासकर दूरदराज के क्षेत्रों में साइबर अपराध की शिकायतों की रिपोर्टिंग और निवारण को सुविधाजनक बनाने के लिए साइबर हेल्पलाइन नंबर को भी मजबूत किया जा रहा है।

थानों में साइबर डेस्क की स्थापना से आमजन को त्वरित सहायता

साइबर अपराध की स्थिति में लोगों को नजदीकी थाने में ही शिकायत दर्ज हो सकेगी।

समयबद्ध कार्यवाही

प्रशिक्षित स्टाफ द्वारा NCRP पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर तत्काल कार्रवाई प्रारंभ की जा सकेगी, जिससे धोखाधड़ी की राशि को रोका जा सकता है।

सहज और सुलभ प्रक्रिया

साइबर डेस्क पर मौजूद पुलिसकर्मी नागरिकों को पूरी प्रक्रिया समझाएंगे और शिकायत दर्ज करने में सहायता करेंगे इससे तकनीकी जानकारी की कमी होने पर भी कोई समस्या नहीं होगी।

साइबर जागरूकता में वृद्धि

साइबर डेस्क के माध्यम से लोगों को फिशिंग, OTP फ्रॉड, सोशल मीडिया अपराध आदि से बचने की जानकारी भी दी जाएगी।

स्थानीय स्तर पर समाधान

अब साइबर अपराध से संबंधित समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही संभव हो पाएगा — इससे समय, यात्रा और परेशानियों में कमी आएगी।

साइबर हेल्पलाइन– 1930
शिकायत हेतु पोर्टल– www. cybercrime.gov.in
मंडला पुलिस आमजन से अपील करती है कि साइबर अपराध की स्थिति में तुरंत नजदीकी थाने की साइबर डेस्क पर संपर्क करें या ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें।

जबलपुर व बालाघाट को संयुक्त विजेता किया गया घोषित

*** अधिक बारिश के चलते नहीं हो सका फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

महात्मा गांधी स्टेडियम मंडला में म.प्र. फुटबॉल संघ व जिला फुटबॉल संघ, मण्डला के तत्वाधान में खेली गई दक्षिण क्षेत्र जूनियर बालक अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता 2025 में रविवार को जबलपुर और बालाघाट के बीच फाइनल मैच होना था लेकिन बारिश के चलते मैच नहीं हो सका। दिन भर हो रही बारिश और मैदान में पानी भरे होने की वजह खेल होना संभव नहीं था। ऐसे में फाइनल में पहुंची दोनों टीम जबलपुर व बालाघाट, निर्णायक मंडल और आयोजन समिति ने सर्वसम्मति से दोनों ही टीम को संयुक्त विजेता घोषित करने का निर्णय लिया। जबलपुर व बालाघाट के संयुक्त विजेता घोषित करने के साथ - साथ दोनों ही टीम को विजेता की ट्रॉफी प्रदान की गई।

इस प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका सतना के निखिल, शहडोल के राजपुरी, खरगोन के शिवम पाटीदार, जबलपुर के रोहित थापा,

छिंदवाड़ा के राहुल, खरगोन के प्रतीक, सिवनी के मेहुल और सतना के अभय ने निभाई। आयोजन समिति के सचिव पंकज उसराठे ने जिला पुलिस बल, नगर पालिका परिषद् मंडला, जिला चिकित्सालय मंडला, मुख्य चिकित्सा एवं स्वस्थ्य कार्यालय मंडला, स्थानीय मीडिया सहित उन सभी लोगों और संस्थाओं का आभार व्यक्त किया है जिन्होंने इस प्रतियोगिता के सुचारू संचालन में एहम भूमिका का निर्वहन किया है।

इस दौरान जिला जिला फुटबाल संघ के उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप शर्मा, सचिव अनिल सोनी, नर्मदा स्पोर्ट्स क्लब के अनूप वासल, सत्यनारायण अग्रवाल, जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव चंद्रेश खरे, हॉकी मंडला के अध्यक्ष भीष्म द्विवेदी, हॉकी मंडला के कोषाध्यक्ष वेद प्रकाश कुलस्ते ₹गोल्डी₹, राम कृष्ण सेवाश्रम के स्वामी शारदातमानन्द, माहिष्मती ग्राउंड ग्रुप के अध्यक्ष बसंत चौधरी, गणेश महान, विजय असरानी, ऋषि राय, वरुण अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में पंकज उसराठे, पवन नंदा, मुजवी हसन, देवेंद्र सरोते, बासु सिंधिया, प्रथम चौकसे, अभिषेक यादव, संतोष धुर्वे, बॉबी, कुशल भवेदी सहित विभिन्न खेल प्रेमियों ने उल्लेखीनय भूमिका का निर्वहन किया।

ब्रह्माकुमारीज के मुख्य सेवाकेंद्र ₹विश्व शांति भवन₹ में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

मण्डला। ब्रह्माकुमारीज संस्थान मंडला के मुख्य सेवाकेंद्र बस स्टैंड के पीछे स्थित विश्व शांति भवन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी ओमलता दीदी, ब्रह्माकुमारी शिवकुमारी बहन, मां रेवती कॉलेज ऑफ ऐजुकेशन से असिस्टेंट प्रोफेसर बहन कविता भावसार, बहन दीक्षा कछवाहा, बहन मीनू धनगर, पतंजलि योग समिति के योग गुरु भ्राता सुनील बाली, योगगुरु भ्राता रामगोपाल, केंद्रीय संचार ब्यूरो से भ्राता श्रवण साहू एवं स्थानीय लोग सहित ब्रह्माकुमार भाई बहनें उपस्थित रहे।

मनमानी | राज्य स्तर से आया आदेश, जिला स्तर की चुप्पी

पुष्किन अरोरा स्थानांतरण मामले ने पकड़ा तूल

*** जिला प्रशासन क्यों नहीं कर रहा कार्यवाही।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिला शिक्षा केन्द्र, समग्र शिक्षा अभियान, मंडला द्वारा दिनांक 28 मई 2025 को जारी एक स्थानांतरण आदेश ने शिक्षाजगत में असंतोष और भ्रम की स्थिति उत्पन्न कर दी है। इस आदेश के तहत, श्रीमती सुनीता मार्को, एम.आई.एस. कॉर्डिनेटर, जनपद शिक्षा केन्द्र मवई को पारिवारिक कारणों से बीजाडांडी में आगामी आदेश तक स्थानांतरित किया गया। आदेश में कलेक्टर सह मिशन संचालक की स्वीकृति का भी उल्लेख है।

हालांकि इस स्थानांतरण के कुछ ही दिनों बाद, राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल ने 3 जून 2025 को आदेश क्र मांक/रा.शि.के./स्था./2025/2588 के तहत पुष्किन अरोड़ा, एम.आई.एस. कॉर्डिनेटर, जनपद शिक्षा केन्द्र मेहदवानी (जिला डिंडोरी) को संविदा नियुक्ति के अंतर्गत बीजाडांडी के लिए पदस्थ किया। यह नियुक्ति 30 मई को आयोजित राज्य स्तरीय नियुक्ति समिति की बैठक में लिए गए निर्णय पर आधारित थी।

उठते हैं कई सवाल

प्रमुख प्रश्न यह है कि यदि बीजाडांडी में एम.आई.एस. कॉर्डिनेटर का पद 21 अक्टूबर 2023 से रिक्त था और राज्य स्तरीय नियुक्ति प्रक्रिया 30 मई 2025 को प्रस्तावित थी, तो फिर जिला स्तर से 28 मई 2025 को स्थानांतरण आदेश किस आधार पर जारी किया गया?

क्या जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) को राज्य स्तरीय प्रक्रिया की जानकारी नहीं थी? या फिर जानबूझकर राज्य स्तर से प्रस्तावित नियुक्ति को बाधित करने का प्रयास किया गया?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीजाडांडी पद को रिक्त दर्शाकर ही श्री अरोरा को स्थानांतरित करने के लिए राज्य शिक्षा केंद्र से ₹एनओसी₹ (अनापत्ति प्रमाण पत्र) जारी किया गया था। इसके बावजूद यदि जिला स्तर पर उसी पद के लिए किसी अन्य को स्थानांतरित किया गया है, तो यह गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े करता है।

शिक्षाकर्मियों और संगठनों की नाराजगी

इस घटनाक्रम ने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। शिक्षाकर्मी और कर्मचारी संगठन इस मामले में निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। उनके अनुसार, यदि जिला शिक्षा केंद्र द्वारा राज्य स्तर की जानकारी को नजरअंदाज कर मनमाने ढंग से स्थानांतरण आदेश जारी किए गए हैं, तो यह न केवल प्रक्रिया का उल्लंघन है बल्कि पारदर्शिता के सिद्धांतों पर भी कुठाराघात है।

पुष्किन अरोड़ा की आपत्ति और मांग

श्री पुष्किन अरोरा ने अपने निवेदन में स्पष्ट किया है कि उन्होंने जबलपुर में निवास और माता के स्वास्थ्य कारणों के चलते बीजाडांडी स्थानांतरण की मांग की थी, जो कि निकटतम आदिवासी विकासखंड है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिला स्तर से समय पर जानकारी न देने के कारण राज्य स्तर से जारी आदेश की स्थिति अस्पष्ट हो गई है।

राज्य शिक्षा केंद्र का निर्देश

राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल ने दिनांक 20 जून 2025 को जारी पत्र क्रमांक /रा.शि.के./एसएसए/स्था./2025/8 में यह स्पष्ट किया है कि 30 जून 2025 को आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय नियुक्ति समिति की बैठक के निर्णय अनुसार, पहले जारी आदेश (03.06.2025) का पालन करते हुए ऐसे विवादित प्रकरणों को जिला स्तरीय नियुक्ति समिति के समक्ष रखकर नियमानुसार निपटाया जाए।

यह मामला स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि समय पर समुचित सूचनाओं के आदान-प्रदान की कमी के चलते प्रशासनिक भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है। यह केवल एक स्थानांतरण का मामला नहीं है, बल्कि प्रशासनिक उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और प्रक्रिया के सम्मान की कसौटी भी है।

अब सभी की निगाहें जिला प्रशासन और जिला स्तरीय नियुक्ति समिति पर टिकी हैं कि वे इस संवेदनशील प्रकरण को किस प्रकार सुलझाते हैं ताकि न केवल नियमों का पालन हो, बल्कि मानवीय पक्ष का भी सम्मान किया जा सके।

लिखित शिकायत के बावजूद नहीं हो रहा निराकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

मानसून ने दस्तक दे दी है। लेकिन इसके बाद भी पंडरिया पंचायत प्रशासन का सफाई अमला दिखावे मात्र के लिए सफाई करने पर लगा हुआ है , ग्राम की नालियां और नाले कचरे से पटे हैं। अगर बरसात से पहले सभी नाले साफ नहीं हुए तो गंदगी सड़कों तक पहुंच जाएगी। सेंट्रल बैंक के सामने के नाले की सफाई कराने की मांग लोग कई बार कर चुके हैं, लेकिन अभी तक ग्राम पंचायत का इस तरफ ध्यान ही नहीं गया है।

नगर में साफ-सफाई का हाल बेहाल है। कुछ दिनों पूर्व नाले और नालियों की सफाई का ठेका दिया गया था लेकिन उसमें भी गड़बड़ झाला नजर आया जिसमें नाम मात्र की सफाई की गई, यहां के लोग भी सड़क किनारे गंदगी फेंकते और उसके बाद वह कूड़ा नाले में चला जाता हैं। गंदगी के कारण उठने वाली बदबू से लोग परेशान हैं। कई बार शिकायत करने के बाद भी अभी तक ग्राम पंचायत ने इस तरफ ध्यान नहीं दिया है। अब लोगों को डर सता रहा है कि अगर बरसात से पहले नालों की सफाई नहीं हुई तो बरसात के दिनों स्थिति ज्यादा भयंकर हो जाएगी।

सफाई कर्मी सफाई करने के बाद कूड़ा सड़क किनारे छोड़ देते हैं। जो दोबारा से नालियों में चला जाता है। अब पंचायत को बरसात से पहले ही नाले की सफाई करा देनी चाहिए। नहीं तो गंदगी जीन मुहाल कर देगी। पंचायत में लिखित शिकायत देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है जो की बड़ा विषय है।

कार्यालय ग्राम पंचायत नैझर जनपद पंचायत नारायणगंज मंडला

//निविदा सूचना//

ग्राम पंचायत नैझर में समस्त पक्के निर्माण कार्य हेतु सामग्री लोहा गिट्टी सीमेंट एवं रेत आदि की आवश्यकता है वर्ष 2025-26 के लिए जीएसटी बिल वाले निर्माण सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी कार्यालय सूचना पटल पर पढ़ी वह देखी जा सकती है।

सरपंच
ग्राम पंचायत नैझर
जनपद पंचायत नारायणगंज मण्डला

सचिव
ग्राम पंचायत नैझर
जनपद पंचायत नारायणगंज मण्डला

खबर संक्षेप

म.प्र.शासन का लेख कराते हुए बगैर परमिट दौड़ रहे चार पाहिया वाहनों की अनदेखी खड़े कर रही सवाल...

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। आबादी के बढ़ते दबाव के चलते पूरे जिले मे सड़कों पर दौडने वाले चार पहिया सवारी बाहनों की संख्या भी तेजी से बढ़ती चली जा रही है। इन वाहनों पर नियंत्रण के लिए नियम कायदे बने है, जिनका पालन कराने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग की है मगर विभागीय सुस्ती के कारण सड़कों पर बगैर परमिट के अनेक टैक्सी धडल्ले से चल रहे है, कभी कभार कागजी खानापूर्ति के लिए एक दो वाहनों का चालान कर दिया जाता है बगैर टैक्सी परमिट के दौड़नें वाले वाहनों की संख्या क्षेत्र में हजारों में है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो यहां पर स्थित अनेक कंपनियों द्वारा अनेक वाहनों को किराया पर ले किया गया है, जिनके किराय से लागने के लिए भी परमिट होना जरूरी होता है मगर बिना टैक्सी परमिट के वाहन मे सवारियों का परिवहन करना सरा सर परिवहन नियमों की अवहेलना है? मगर अक्सर देखा जाता है कि शासकीय कार्यालयों में लगे हुए अनेक वाहनों में म.प्र. शासन का लेख कराते हुए उन्हें किराय के रूप में खुलेआम यातायात नियमों की धज्जियाँ उठाई जा रही है? एक तरफ जहां नियमों के परखच्चे उड़ रहे है, वही दूसरी तरफ टैक्स के माध्यम से सरकार को मिलने वाले राजस्व को भी हानी पहुंच रही है, देखने मे आ रहा है कि अधिकांश जीप, मार्शल, बुलेरो, स्कारपियों या उसे जैसे वाहन निजी कंपनियों में किराय पर सवारी ढोने के काम मे लगे हुए है, इस प्रकार वाहन मालिक टैक्स की राशि बचाकर अपने वाहनों को सवारियों के परिवहन मे लगा देते है और परिवहन विभाग कभी इसी जांच के लिए व्यापक अभियान नही छेड़ता, परिणाम स्वरूप ऐसे वाहन धडल्ले से चल रहे और इनकी संख्या दिनो दिन बढ़ती जा रही है, जब कोई दुर्घटना होती है तब अधिकारियों से लेकर आम पब्लिक हाथ मलते रह जाती है, नगर में स्थित व क्षेत्र में स्थित अनेक कंपनियों में इसी प्रकार अधिकांश शासकीय विभागों मे निजी वाहनों को किराए पर लगाया गया है, जबकि शासन के स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी सरकारी दप्तर से आवश्यकता होने पर जो वाहन किराए पर लगाए जाएं उनका रजिस्ट्रेशन परिवाहन विभाग मे टैक्सी वाहन के रूप मे होना अनिवार्य है, परिवहन विभाग के पास इन वाहनों पर कार्यवाही किये जाने की जानकारी नही मिली। शासन के आदेश की विभागीय अधिकारी विभाग भी इस दिशा मे उदासीनता प्रदार्शित कर रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में कागजों के हिसाब से तो नियुक्त है स्वास्थ्य कर्मी, मगर चक्कर कटते रहते हैं ग्रामीणजन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। क्षेत्र के अंतर्गत अनेक गांवों में अनेक शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापति किये गये है, मगर यदि ईमादारी से देखा जावे तो इन शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाएँ चरमरा रही है? एक तरफ मौसमी बीमारियों का प्रकोप होने के साथ साथ इस समय कोरोना वायरस की दहशत संपूर्ण क्षेत्रवासियों को दहशत में डालने से नही चूक रही है तो दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य कमी नर्स व मलेरिया वर्कर अपने मुख्यालय से गायब रहतें है? ऐसे में टीकाकरण सहित शासन द्वारा ग्रामीणजनों के नाम पर चलाई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का क्या हाल होगा इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है, शायद ही इसका किसी के पास कोई जबाव हो? वही दूसरी ओर देखा जावे तो इस समय लगातार फैल रही मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ते हुये क्रम में देखने मिल रही है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई प्रसूताओं व शिशुओं के लिए टीकाकरण में भी देखने मिल रही है जो ग्रामीण क्षेत्रों में शायद ही कभी निर्धारित तिथि पर लगते हुये देखे जा रहे हो, इस सच्चाई को लेकर बताया जाता है कि गाँवों में प्रसूताओं को नर्सें बजाय शासकीय दवाएँ उपलब्ध कराने के बाजार की दवाएँ मगवाती है जबकि गौर किया जावे तो राज्य सरकार का कहना है कि अस्पातालों के भण्डारण में सभी आवश्यक दवाएँ उपलब्ध है मगर इसके बाद भी प्रसूताओं एवं रोगियों के लिए ये दवाएँ गाँवों में पहुँच रही है कि नही इस बात का पता नही चल रहा है कि आखिर में ग्रामीणों को मिलने वाले दबाईयाँ कहा चली जाती है?

जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत देवरी पंचायत में तीन साल पहले 24 लाख की लागत से बनाये गये अमृत सरोबार तालाब निर्माण के नाम पर हुई गफलबाजी की सच्चाई उजागर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

गया है। वही तालाब निर्माण में कर्यान्वयन एजेन्सी ग्राम पंचायत देवरी पंचाय सचिव तथा अन्य मद के रूप मे 15 वाँ वित्त की राशि 2 लाख 61 हजार रूपया खर्च होने का उल्लेख किया गया है। इस तरह पंचायत द्वारा बनाये गये तालाब की सच्चाई को अगर मौके पर देखी जावे तो जहां खुदाई की हाल इस तरह से दिखाई दे रही है कि पूर्व में यहां पर बने हुये खेतों की मेडे जहां स्पष्ट रूप से नजर आने से नही चूक रही है। वही दूसरी ओर यहां पर पहले से खड़े हुये पेडो के ठूट निर्माण कार्य में हुई गफलत बाजी का आईना दिखाने में कोई कसर नही छोड़ रहे है? इतना ही नही ग्रामीणों के कहना है यहां पर पहले से जंगली नाला निकला हुआ था और आस पास में झुर्रईयाँ थी उन्ही के बीचों बीच मात्र सीमेन्ट की दीवार बनाते हुये इस तालाब का निर्माण किय गया है। वही तालाब निर्माण के दौरान पंचायत द्वारा बनाई गई दीवार भी अपना पहला जन्म दिन मनाने के पूर्व ही जिस तरह टूटते हुये देखी जा रही है वह संपूर्ण कार्य की पोल खोलने में कोई कसर नही छोड़ रह है? वही दूसरी ओर एक ओर से निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सी द्वारा तालाब के किनारे को पाटने के लिये कुछ पत्थर जरूर लगाये गये है। मगर यदि उन पत्थरों की सच्चाई देखी जावे तो यह प्रतीत होने से नही चूक रहा है कि यह पत्थर निश्चित तौर से जंगल की भूमि से वन विभाग की मिलीभगत के चलते अवैध खनन किया गया होगा? क्योंकि किसी भी संस्था को वन विभाग की भूमि से इस तरह पत्थर उठान की अनुमति तो होती नही है फिर भी जंगल क्षेत्र मे पैदा होने वाले यह पत्थर इस तालाब के निर्माण में उपयोग होना वन विभाग के अधिकारियों की भूमिका को भी सबालों के घेरे में लेने से नह चूक रहे है? इस तरह जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत देवरी के ग्राम पिपरिया छीर खेडा में पंचायत द्वारा सरकारी धन 24 लाख से भी अधिक की राशि खर्च करते हुये बनाये गये अमृत सरोबर तालाब में बनने के बाद आज तक दो साल का समय बीतने के दौरान एक बूंद पानी नजर नही आया है..? इस सच्चाई को बीते हुये वर्ष यानि की 5 मई 2024 के अंक में हरिभूमि द्वारा प्रमुखता से उजागर किया गया था। इस तरह सच्चाई उजागर होने के बाद आज तक अधिकारियों द्वारा इस तालाब की जांच करना उचित नही समझा गया है। बताया जाता है कि इस अमृत सरोबर बांध के सुधार कार्य के लिये पुनः लाखों रूपया की राशि स्वीकृत किये जाने की चर्चाये है..? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि जिस तालाब में बारिश के दिनों में भी पानी एकत्र नही हो पाता है तो फिर उसमें टूट फूट होने के चलते सुधार की जरूरत जहां अनेक सबाल पैदा करते हुये जान पड़ रही है..? वही दूसरी ओर जांच की जगह जिस तरह शासन द्वारा लगातार राशि स्वीकृत करना निश्चित तौर से जिला से लेकर ब्लाक व पंचायत स्तर के अधिकारियों की भूमिका पर प्रश्न चिन्ह लगाने में कोई कसर नही छोड़ रही है..? इस तरह दो साल पहले पंचायत द्वारा लाखों की लागत से बनाया गया यह तालाब कागजों में तो अमृत सरोबर दिखाई दे रहा है। मगर मौके पर देखा जावे तो तालाब की जगह आज भी पहले की तरह तालाब निर्माण स्थल की भूमि पर पेड़ के ठूट नजर आने से नही चूक रहे है? सही मायने में देखा जावे तो मौके पर जहां तालाब का स्वरूप ही दिखाई नही दे रहा है। मगर इसके बाद भी सरकारी रिकार्ड में इस अमृत सरोबर में भरे हुये पानी में अधिकारी गोता लगाने से नही चूक रहे है? क्योंकि जब सरकारी धन राशि को खर्च करते हुये पंचायत द्वारा कोई निर्माण कार्य किया जाता है तो उसकी देख रेख जनपद से लेकर जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा की जाती है। जब इन अधिकारियों द्वारा अपनी ओर से संतुष्टि प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है तभी उस कार्य को पूर्ण माना जाता है? मगर पता नही यहां पर लाखों रूपया की राशि से बने हुये इस तालाब को लेकर जिम्मेदार अधिारियों द्वारा अपनी ओर किस तरह का निरीक्षण किया गया होगा जिसके चलते बगैर पानी के तालाब में ग्रामीणजन गोते लगाने से नही चूक रहे है...? क्षेत्र के लोगों का कहना है कि पंचायत द्वारा बनाये गये इस तालाब की जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा निष्ठा के साथ जांच की गई तो निश्चित तौर से पंचायत स्तर से लेकर जनपद व जिला स्तर के अधिकारी बेनकाब होने से नही चूक पायेगे..? वही दूसरी ओर अमृत सरोबर निर्माण की सच्चाई जानने के लिये जब पंचायत स्तर के कर्मचारियों से चर्चा की गई तो अपना नाम उजागर न करने की सर्त पर उनके द्वारा खुले शब्दों में यह कहने से नही चूक रहे है कि हमारे द्वारा जो तालाब बनाये गये है वह बडे अधिकारियों की देख रेख में ही बनाया गया है। यदि कोई गड़बडी निकलती है तो हम अकेले ने थोडी खाये है सबकी सोंझ.... बराबर की है..?

अखिल भारतीय कौरव महासभा ने पहली बार समाज के प्रतिभावान छात्र छात्राओं को किया सम्मानित, समाज की बेटियां नाम रोशन करने में पीछे नहीं- विधायक पटैल

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जब किसी समाज के छात्र छात्राओं द्वारा उच्च स्तर पर सफलता हासिल की जाती है तो निश्चित ही समाज का नाम रोशन होने से नही चूकता है। इसी के चलते हर साल देखने मिलता है कि अनेक समाज के संगठनों द्वारा अपनी अपनी समाज के प्रतिभावान छात्र छात्राओं का सम्मान करते हुये देखे जाते है। इसी प्रकार से कौरव सेवा समिति द्वारा समाज के छात्र छात्राओं के साथ साथ समाज के पत्रकारों को बीते हुये तीन साल से सम्मान के साथ आमंत्रित करते हुये उन्हें सम्मानित करने के कार्यक्रम की शुरूआत की गई थी जो लगातार जारी है। इस तरह कौरव सेवा समिति द्वारा बीते हुये सप्ताह समाज के प्रतिभावान छात्र छात्राओं के सम्मानित किया गया था। इसी प्रकार से कौरव सेवा समिति के बाद इस वर्ष कौरव महासभा द्वारा भी समाज के प्रतिभावान छात्र छात्राओं को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया। इस तरह अखिल भारतीय कौरव महासभा द्वारा पहलीवार आयोजित किये गये इस प्रतिभावान छात्र छात्राओं के सम्मान समारोह को लेकर जहां समाज के लोगों में हर्ष देखने मिल रहा है। कौरव महासभा द्वारा आयोजित किये गये इस सम्मान समारोह को लेकर बताया जाता है कि बीते रविवार हुये रविवार को स्थानीय कामती रोड स्तित नमामि पैलेस भवन में अखिल भारतीय कौरव महासभा जिला अध्यक्ष राव पवन सिंह के मार्ग दर्शन में कौरव समाज के प्रतिभावान छात्र छात्राओं के लिए सम्मान एवं मिलन समारोह का आयोजन समीपस्थ तेंदूखेड़ा विधान सभा क्षेत्र के विधायक विश्वनाथ सिंह पटैल की विशेष मौजूदगी में आयोजित किया गया। इस सम्मान समारोह में शिक्षा सत्र 2024-25 कक्षा 10 वी तथा 12 वी की बोर्ड परीक्षा में 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले कौरव समाज के प्रतिभावान छात्र छात्राओं को अतिथियों एवं सामाजिक बंधुओ ने मैडल पहनाकर सहित स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुये सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ कौरव महासभा के पदाधिकारियों द्वारा समाज के आराध्य भीष्म पितामह के चित्र का पूजन कर किया गया। वही कार्यक्रम के शुरूआत में समाज के छात्रा मधु कौरव एवं कात्यायिनी कौरव ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। वही कार्यक्रम में सेवा निवृत शिक्षक गणेश कौरव द्वारा 50000 रु की राशि सामाजिक हित के लिए महासभा को दिए जाने पर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटैल ने अपने उदबोधन में कहा कि समाज मे लाडली बेटियां पढ़ाई मे लगातार उन्नति करते हुये समाज का नाम रोशन करने में पीछे नही है। समाज की बेटी रूपी पौधा आज अनेक जगहों पर बडे पेड़ का रूप धारण करते हुये अनेक पदो पर पहुंचकर देश के सेवा करते हुये समाज का नाम रोशन करते हुये देखी जा रही है। आज मुझे इस आयोजन के माध्यम से समाज के प्रतिभावान छात्र छात्राओं को सम्मानित कर प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। इस दौरान उन्होंने कहा कि इन छात्र छात्राओं को प्रोत्साहन की जरूरत है जिससे की वे आगे चलकर समाज को गौरवान्वित करें। कौरव महासभा के प्रदेश प्रतिनिधि राव वीरेंद्र सिंह ने कहा कि प्रतिभावान छात्र छात्राओं का सम्मान करने से उनके मनोबल मे वृद्धि होती है। हमारी समाज के युवा अच्छा कार्य कर रहे है। इसी प्रकार से कौरव महासभा जिला अध्यक्ष राव पवन सिँह ने कहा कि हम सभी को अपने नाम के पीछे कौरव शब्द जरूर लगाना चाहिए। क्योंकि हमारी समाज का हमेशा गौरवशाली इतिहास रहा है। क्योंकि समाज के युवा अनेक पड़े पदो पर तो पहुंच गये है। मगर अपने नाम के पीछे कौरव नही लिखने के लिये उन्हें पहचान नही पाते है। इसलिये मेरी सभी समाजिक बंधुओं से आग्रह है कि वह अपने नाम के साथ कौरव जरूर लिखे। वही कार्यक्रम मे अधिवक्ता विक्रांत कौरव ने सम्पूर्ण आयोजन की रुपरेखा से अवगत कराया। कार्यक्रम को मंडल अध्यक्ष गिरिजाशंकर पगुआ, आत्माराम ममार, महेंद्र तहिया, ओमजी कौरव, मनोज कौरव, अरविन्द कौरव, प्राचार्य प्रहलाद सिंह कौरव, राजेंद्र कौरव, मुकेश मरैया, राव संदीप सिंह, चंद्रकांत कौरव,प्रवीण कौरव,युवा सभा जिला अध्यक्ष अभिषेक कौरव, ध्यान सिंह कौरव, छात्र दिव्यांश कौरव, ऋषिका कौरव, ख़ुशी कौरव सहित अन्य वक्ताओ ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन महासभा के जिला महासचिव सोमनाथ कौरव ने किया।

सांगई में योग दिवस पर छात्र छात्राओं को कराया गया योगा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शनिवार को अंतराष्ट्रीय योग दिवस को जहां संपूर्ण देश में बडे ही उत्साह के साथ मनाया गया अनेक जगहों पर कार्यक्रम आयोजित होते हुये देखे गये। इसी प्रकार से जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाले एकीकृत शासकीय नवीन माध्यमिक शाला सांगई में 11 वे अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर छात्राओं ने सामूहिक योग प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में सभी ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के संदेश का सीधा प्रसारण सुना। तदोपरांत माध्यमिक शिक्षक मधुसूदन पटैल ने सभी को प्राणायाम की विभिन्न मुद्राएँ बताई एवं कार्यक्रम अनुसार सभी के द्वारा योग अभ्यास किया गया। वही अंत में शिक्षकों ने प्राणायाम के महत्तव से जुडी जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्रधान पाठक दशरथ प्रसाद जाटव, देवेंद्र ठाकुर, किरणलता ठाकुर, राजू केवट सहित छात्र छात्राएं उपस्थित रहें।

पुलिस की संपत्ति को पहुंच रही क्षति, पुलिस बनी है बेखबर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां एक ओर लोगों द्वारा पुलिस ने अपनी संपत्ति की रक्षा करने के लिए उम्मीद की जाती है? मगर जब पुलिस स्वयं की संपत्ति की रक्षा करने में असफल जान पड़ रही है तो दूसरो की संपत्ति की रक्षा करने की उम्मीद मात्र कल्पना की समान ही जान पड़ते हुए देखी जा रही है? अपनी संपत्ति से बेखबर पुलिस की सच्चाई पर गौर किया जावे तो शासन द्वारा पुलिस को नगर में शांति व्यवस्थ बनाने के लिए वाहन से लेरकर हथियार व शस्त्रों से लेकर बेरीकेट व अन्य साधन दिये जाते है जिनका वह समय समय पर उपयोग करते हुए आम लोगों को सुविधाएं प्रदान करती है? मगर इस समय नगर में देखे जा रहे है कि पुलिस को प्रदान किये गये बेरी केटों की स्थिति इस प्रकार से देखने मिल रही है कि वह जहां तहां पड़े हुए होने के कारण लोगों द्वारा उन्हें तोड़ते हुए क्षति पहुंचाई जा रही है? इतना नही नही पुलिस थाने को मिले हुए इन बेरीकेटों को तो आये दिन लोगों द्वारा जहां अपने जिनी उपयोग में लेते हुए भी देखा जाता है। वही यह चर्चा का विषय उस समय बन जाता है कि जब लोगों द्वारा अपने भवनों के निर्माण के दौरान इन म.प्र. पुलिस के बेरी केटों का मुख्य सड़कों पर पड़ी हुई नियम विरूद्व निर्माण सामग्री के आसपास लगा दिये जाते है? इस स्थिति को देखते हुए यह जान पड़ता है कि यह बैरीकेट शायद पुलिस द्वारा आम लोगों के उपयोग हेतु ही नगर में रखे गये है जिसे जब मर्जी हो वह उपयोग कर सकता है..? इस बात की खबर शायद यहां के पुलिस अधिकारियों को भी नही होगी कि गाडरवारा पुलिस थाने में कितने बेरी केट है और वह किन किन जगहों पर रखे गये है? इस प्रकार से अपनी शासकीय संपत्ति से बेखबर पुलिस द्वारा नगर के अनेक हिस्सों में पड़े हुए बेरीकेटों की हो रही लगातार क्षति को लेकर जहां बेखबर नजर आ रही है? जिसके चलते शासन की संपत्ति का जहां लोगों द्वारा एक ओर खुलेआम दुरूपयोग तो किया ही जा रहा है वही दूसरी ओर उसे क्षति भी पहुंचाई जा रही है?

नवोदय विद्यालय बोहानी आवेदन 29 जुलाई तक

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नवोदय विद्यालय में प्रवेश पाने की कक्षा पांचवी के बाद हर छात्र की तमन्ना रहती है। मगर आयोजित होने वाली परीक्षा को बहुत की कम छात्र पास करते हुये प्रवेश पाने में सफल हो पाते है। कक्षा छटवी में प्रवेश के लिये हर साल परीक्षा आयोजित की जाती है। इसी प्रकार से इस वर्ष भी नवोदय विद्यालय समिति बोहानी द्वारा कक्षा 6 वीं में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 13 दिसम्बर 2025 को आयोजित की जायेगी। नवोदय प्रवेश चयन परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन- आवेदन करने का कार्य प्रारंभ किया जा चुका है, ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। इच्छुक विद्यार्थी अपना ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन नवोदय विद्यालय समिति की बेवसाइट https//navodaya.gov.in पर जाकर कर सकते है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी शासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी विद्यालय के संकुल प्राचार्यों से कहा है कि वे संकुल अंतर्गत आने वाली समस्त शालाओं के प्रधान पाठकों को अधिक से अधिक और न्यूनतम 10 आवेदन फार्म ऑनलाइन भरवाना सुनिश्चित करें, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थी चयन परीक्षा में शामिल हो सकें।

क्या खुलरीवासी कभी नहीं कर पायेंगे एटीएम के दर्शन..

हरिभूमि न्यूज/खुलरी

जहां एक ओर शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ देने के लिए सरकार का प्रयास है कि हर व्यक्ति को लाभ बैक के माध्यम से प्राप्त हो जिसमें किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो सके और हर व्यक्ति शासन की योजना का लाभ अपने खाते के माध्यम से ले सके। मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि खुलरी क्षेत्र में स्थित बैक द्वारा अभी तक एटीएम की सुविधा प्रदान नही किये जाने के कारण लोगों को अपने खातों से राशि निकालने के लिए भटकने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है? गौर किया जावे तो खुलरी में स्थिति भारतीय स्टैट बैक शाखा के माध्यम से खुलरी के आलवा ग्राम भौरझिर, घघरोला, पटना, भूमिया ढ़ाना, पिठहरा, सूरना, मुडिया, लिंगा, बिलोनी, बेहरा, तिगुवा, करहैया, सलैया सहित अनेक गांवों के उपभोक्ताओं द्वारा जहां प्रतिदिन लेनदेन किया जाता है, वही दूसरी ओर अनेक ग्राम पंचायतों के खाते भी यही के बैक से संचालित हो रहे है, मगर बैक शाखा द्वारा अभी तक अपने उपभोक्ताओं को राशि निकालने के लिए एटीएम की स्थापना नही किये जाने की स्थिति में क्षेत्र के लोंगो को राशि निकालने के लिए भटकना पड़ता है। क्योंकि यदि किसी को अपनी राशि निकालना होता है तो वह सिर्फ बैक के कार्य दिवस व समय पर पहुंचता है तभी उसे राशि मिल पाती है। यदि अवकाश सहित अन्य समय किसी उपभोक्ता को राशि की जरूरत पड़ती है तो वह भटकने के लिए मजबूर देखा जाता है। इस स्थिति के चलते क्षेत्र की जनता द्वारा ग्राम खुलरी में एटीएम स्थापना की मांग करते हुए कई वर्षो से यह सुविधा शीघ्र शुरू करने की गुहार लगाई जा रही है। मगर इस मांग को वर्षो का समय बीते जाने के बाद भी पूरा नही होने से अब ग्रामीणों का कहना है कि क्या खुलरीवासी अपने गांव में एटीएम के दर्शन कभी नही कर पायेगे...?

खबर संक्षेप

खेत में माटी डालते समय ट्रैक्टर में चढ़ा सांप, ड्राइवर कूद कर भागा

डिंडौरी न्यूज। जिले के शहपुरा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम करौंदी में उस समय हड़कंप मच गया जब शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल के पास एक किसान के खेत में माटी डालते समय ट्रैक्टर में अचानक एक सांप चढ़ गया। सांप को देखकर ट्रैक्टर चालक घबरा गया और जान बचाने के लिए तुरंत ट्रैक्टर से कूदकर भाग खड़ा हुआ। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई और लोग सांप को देखने के लिए उत्सुक नजर आए। हालांकि किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। ग्रामीणों ने सावधानीपूर्वक सांप को खेत की ओर भगाया। इस घटना से आसपास के इलाके में दहशत का माहौल बन गया।

शहपुरा जनपद सदस्य क्षेत्र क्रमांक 14 की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री को सौंपा गया ज्ञापन

डिंडौरी न्यूज। जनपद पंचायत शहपुरा के सदस्य क्षेत्र क्रमांक 14 की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को सीएम हाउस, भोपाल में ज्ञापन सौंपा गया। जनपद सदस्य कीर्ति भीमशंकर साहू द्वारा दिए गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि उनके निर्वाचन क्षेत्र की ग्राम पंचायत करौंदी, बरगांव और रनगांव के नागरिक आज भी कच्चे, जर्जर और ऊबड़-खाबड़ रास्तों से आने-जाने को मजबूर हैं।

ज्ञापन में प्रमुख रूप से निम्न मांगें शामिल हैं

ग्राम पंचायत करौंदी में मुख्य मार्ग से हायर सेकेंडरी स्कूल तक पक्की सड़क का निर्माण मुख्य मार्ग से संजय नगर गौशाला तक पक्की सड़क ग्राम पंचायत बरगांव में नेशनल हाईवे से सगड़ा टोला तक पक्की सड़क ग्राम पंचायत रनगांव के भुरका टोला तक पक्की सड़क सूरजपुरा से करौंदी तक पक्की सड़क का निर्माण जनपद सदस्य कीर्ति भीमशंकर साहू की ओर से उनके प्रतिनिधि पत्रकार भीमशंकर साहू एवं क्षेत्र क्रमांक 15 के जनपद सदस्य टेकेश्वर साहू ने मिलकर यह ज्ञापन मुख्यमंत्री को सौंपा। जनहित से जुड़ी समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के समक्ष यह पहल क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की दी जा रही है सुविधा

अनूपपुर। ग्राम मुंडा के सरपंच त्रिवेंद्र सिंह एवं सचिव सुंदर सिंह राठौर द्वारा मांग रखी गई, कि अन्य पंचायत की तरह मुंडा पंचायत में भी जन चौपाल एवं लर्निंग लाइसेंस कैंप आयोजित किया जाए, जिस पर जिला परिवहन अधिकारी एवं यातायात प्रभारी द्वारा 22 जुन को मुंडा पंचायत में लर्निंग लाइसेंस का कैंप आयोजित किया गया, जिसमें स्थानीय युवा एवं महिलाओं ने आकर स्वयं के लर्निंग लाइसेंस बनवाए, उन्हें लर्निंग लाइसेंस के प्रतिलिपि देते हुए जानकारी दी गई की एक महीने बाद स्थाई लाइसेंस के लिए आवेदन करें तथा जिला परिवहन कार्यालय से स्थाई लाइसेंस प्राप्त करें। कैंप में कुल 52 लोगों के लाइसेंस जारी किए गए।

एमबी पावर परिसर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग शिविर का भव्य आयोजन

अनूपपुर। एमबी पावर परिसर में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पावन अवसर पर एक दिवसीय योग शिविर का आयोजन बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य कर्मचारियों और समुदाय में शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक संतुलन को स्थापित करना तथा योग की महत्ता को जन-जन तक पहुंचाना रहा। योग शिविर में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी से पधारीं रिसर्च स्कॉलर सुश्री प्रज्ञा साहू ने अपने साथ योग्य प्रशिक्षिकाओं सुश्री वैष्णवी पासवान एवं सुश्री ज्योति यादव के साथ सहभागियों को योगाभ्यास करवाया। तीनों योग प्रशिक्षकों ने शिविर में उपस्थितजनों को योग की मूल अवधारणाओं से परिचित कराते हुए विविध योगासन, प्राणायाम और ध्यान की तकनीकों का अभ्यास कराया।

अमरपुर जलाशय और नहर मरम्मत का दिखावा कर फर्मों को लाखों रुपए का फर्जी भुगतान

- तीन वर्षों से मरम्मत और निर्माण अधूरा,विभिन्न सामग्री के नाम लाखों रुपए का बंदरबांट
- मरम्मत और निर्माण न होने से किसान परेशान, अधिकारियों की मनमानी जारी

हरिभूमि न्यूज,ख डिंडौरी ।

जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की उदासीनता और लापरवाही के चलते जिले भर में बनाए गए बड़े बड़े जलाशय और नहरों की हालत मरम्मत के आभाव में जर्जर है, वहीं दूसरी तरफ जल संसाधन विभाग द्वारा टैंक और नहरों के मरम्मत और पुनर्निर्माण के नाम सरकारी धन का बंदरबांट किया जा रहा है, जल उपभोक्ता समितियों को प्रतिवर्ष मिलने वाली राशि जल संसाधन विभाग के उपयंत्री डकार रहें है इसके साथ ही रोजगार गारंटी योजन के तहत स्वीकृत राशि भी बगैर कार्य कराए षड्यंत्र रच कर फर्जी दस्तावेज तैयार कर हड़प रहे हैं।

ऐसा ही लापरवाही, भ्रष्टाचार और फर्जीवाड़े का मामला अमरपुर जलाशय का देखा जा सकता है, जलाशय से भाखा, बिजौरी, बरसिंघा, सहित रामगढ़ तक की 153 हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित किए जाने का लक्ष्य है लेकिन फिलहाल टैंक और नहरों की हालत बद से बदतर स्थिति में है।

वर्ष 2021- 22 में अमरपुर जलाशय और नहरों की मरम्मत हेतु रोजगार गारंटी योजना के तहत लगभग 10- 11 प्राक्कलनों के तहत लगभग 01 करोड़ रुपए से अधिक राशि मजदूरी और सामग्री हेतु स्वीकृत किया गया था, लेकिन एसडीओ और उपयंत्री ने महज मरम्मत का दिखावा और खानापूर्ति करते हुए रेत, मुरूम, गिट्टी, लोहा सरिया, पाइप के नाम पर लाखों रुपए के बिल लगाकर राशि आहरित कर लिया लेकिन कार्य प्रारंभ होने के 3 साल गुजरने के बाद भी कार्यस्थल में कुछ मात्रा में रेत गिट्टी और पाइप लावारिश पड़े हुए हैं, तत्कालीन एसडीओ रहे एस के बिट्टुले, वर्तमान एसडीओ और पहले उपयंत्री रहे नारायण देशमुख ने किसानों की अरमानों पर पानी फेर कर सरकार की मंशा पर पलीता लगाते हुए कागजों में कार्य को पूर्ण करा दिया, जिससे आज भी किसान परेशान हैं। नहरों की सफाई न होने तथा चिन्हित स्थानों पर पुलिया निर्माण न कराने,साथ ही जर्जर नहरों की मरम्मत न कर सिर्फ कागजों में सामग्री खरीदी कर बंदरबांट का खेल किया गया है। जिससे खरीफ फसलों में क्षतिग्रस्त नहर का पानी खेत में भरता है और जब पानी की जरूरत रबी फसलों को होती तो नहरें सुखी होतीरहती हैं। केंद्र और राज्य सरकार किसानों की आमदनी दोगुनी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन किसानों की समृद्धि सिंचाई पर निर्भर है। जिले में कोई मंत्री, मुख्यमंत्री से लेकर अधिकारी तक सिंचाई व्यवस्था की गुणगान करते हुए नहीं थकते हैं, जल संसाधन विभाग का आधिकारिक आंकड़ा भी 30 हजार हैक्टेयर कृषि भूमि सिंचित किए जाने का है, जबकि धरातल में हालात इसके उलट है।

निर्माण का दिखावा कर विभिन्न फर्मों को किया लाखों रुपए का भुगतान

वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2023-24 तक में अमरपुर जलाशय के मरम्मत हेतु लगभग 10 भागो में कार्य स्वीकृत किया गया है, सभी प्राक्कलनों से सामग्री मद की राशि जिम्मेदारों द्वारा विभिन्न फर्मों को भुगतान किया गया है, जबकि कार्यस्थल में आज भी हालत बद से बदतर है। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने खनूजा ट्रेडर्स, दिगम्बर हार्डवेयर, खनूजा फैशन पैलेस, सिग्निक्स कंट्रक्शन समेत कई फर्मों को मिट्टी, मुरूम, सीमेंट, गिट्टी, लोहा, सरिया सहित अन्य सामग्री के नाम पर लाखों रुपए का भुगतान किया गया है।

युवाओं ने किया पौधारोपण, आमजन भी करें प्रकृति संरक्षण में भागीदारी

डीएसएस एमपी द्वारा लगातार 159वें रविवार को भी हुआ पौधारोपण

डिंडौरी न्यूज।

धारा सरस्वती शैक्षणिक एवं समाज उत्थान समिति (DSS MP) द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए चलाया जा रहा पौधारोपण महाअभियान अनवरत जारी है। इस कड़ी में रविवार को संस्था द्वारा लगातार 159वें रविवार को भी पौधारोपण किया गया।

समिति के सदस्य लगातार तीन वर्षों से प्रत्येक रविवार को पौधे लगा रहे हैं और पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक कर रहे हैं। संस्था ने केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहकर, उनका संरक्षण और देखरेख भी सुनिश्चित किया है। विभिन्न स्थानों पर इस अभियान से प्रेरित होकर वाटिकाओं का निर्माण भी किया गया है, जैसे श्रीराम वाटिका करौंदी, मेरा माटी मेरा देश वाटिका बरगांव, पंकेश्वर वाटिका बरगांव आदि।

इस बार का पौधारोपण कार्यक्रम शहपुरा जनपद पंचायत अंतर्गत सगड़ा टोला बरगांव में किया गया। जहां ग्रामीणों को पर्यावरण बचाने का संदेश देते हुए जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में DSS मध्यप्रदेश के सचिव एडवोकेट निर्मल कुमार साहू, अखिल भारतीय सत्य सनातन संघ के प्रदेशाध्यक्ष पटवारी सोहन साहू, पत्रकार भीमशंकर साहू, भाजपा मंडल मंत्री विजय साहू, बरगांव के पूर्व सरपंच भोला सिंह परस्ते, छात्रावास अधीक्षक मानसिंह परस्ते, शारदा मां गौ सेवा समिति के उपाध्यक्ष शारदा प्रसाद नामदेव सहित अनेक गणमान्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे। संस्था ने आमजन से अपील की है कि वे भी आगे आकर इस पौधारोपण महाअभियान का हिस्सा बनें और पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दें।

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम

डिण्डौरी

(स्वतंत्र मत) 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विकासखण्ड बजाग में एक विशेष योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया गया। कार्यक्रम में BSW और MSW पाठ्यक्रम की परीक्षाएं संपन्न होने के पश्चात समस्त छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक योग अभ्यास किया। इस अवसर पर जिला समन्वयक धर्मेंद्र चौहान, विकासखण्ड समन्वयक श्रीमती अंजू दुबे एवं परामर्शदाता शिवकुमार धुर्वे विशेष रूप से उपस्थित रहे। BSW प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की और योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास कर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य लाभ के महत्व को जाना। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वास्थ्य जीवनशैली को प्रोत्साहित करना रहा। उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने नियमित रूप से योग को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

विकास की चादर ओढ़ कर भ्रष्टाचार कर रहा सरपंच पति

भ्रष्टाचारी सरपंच पति के विकास की गाथा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

पंचायत में यूं तो कई विकास कार्य किए जाते हैं लेकिन उन विकास की आड़ में सरपंच और सचिव भी अपना पूरा विकास करने से नहीं चूकते सरपंच जो चुनाव लड़ते समय अपनी आमदनी महज हजार या लाख रुपए ही दर्शाता है और 5 साल पूरा होते ही उसकी आमदनी कई लाख तक बढ़ जाती है या यूं कहें की कुछ सरपंच तो करोड़पति भी बन जाते हैं ऐसा ही एक नजारा ग्राम पंचायत चिल्हारी के सरपंच का सामने आया है।

जिला मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत चिल्हारी में विगत 5 वर्षों में कितने विकास कार्य किए गए हैं कि पंचायत में विकास के नाम पर कई सारे पुल निर्माण कार्य, सड़क निर्माण कार्य, खेल मैदान निर्माण कार्य के साथ-साथ सीसी रोड भी बनवाए गए लेकिन इस विकास कार्य के साथ यदि सबसे ज्यादा किसी का विकास हुआ है तो वह वहां के सरपंच का विकास सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है। बताया जा रहा है कि जब यह सरपंच का चुनाव लड़ने के लिए अपना नामांकन पर्चा दाखिल किए थे तो उसमें उनकी आमदनी महज हजारों में दर्शाई गई थी और वर्तमान में देखा जाए तो कुछ नाम चंद ठेकेदारों के साथ मिलकर उन्होंने अपना इतना विकास कर लिया कि अब उनकी आमदनी करोड़ों में देखने को मिल रही है बताया जा रहा है कि सरपंच अनूपपुर जिला मुख्यालय में कई जगहों पर अपना विकास कर चुके हैं।

ठेके में देकर कराया निर्माण कार्य लिया कमिशन

ग्राम पंचायत चिल्हारी में विगत 3 वर्षों में सीसी सड़क निर्माण कार्य, ग्रेवल सडक निर्माण कार्य के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए हैं बताया जा रहा है कि सरपंच पति के सबसे करीबी एक व्यक्ति ठेकेदार भी है और सरपंच उसे पूरा निर्माण कार्य ठेके पर देकर अपने आप को पाक साफ बताता है। वही निर्माण स्थल की बात करें तो निर्माण की स्थिति देखकर तो अंदाजा लगाया जा रहा है कि निर्माण कार्य का विकास हो ना हो लेकिन सरपंच और ठेकेदार ने मिलकर अपना खूब विकास किया है पंचायत में जो भी कार्य किए जाते हैं सारे कार्य को सरपंच द्वारा अपने चहेते को ठेके में दे दिया जाता है और दोनों मिलकर जमकर भ्रष्टाचार करते हैं।

जहां नहीं जरूरत वहां बना दिया पुल और सड़क

ग्राम पंचायत सरपंच ने अपने विकास के चक्कर में पंचायत के कोने कोने में सड़क और पुल का निर्माण कार्य कर दिया। बताया जा रहा है कि जहां पर ना तो किसी का घर है और ना ही कोई आता जाता है वहां भी सड़क और पुल का निर्माण कर लाखों रुपए डकार लिए गए हैं ग्राम पंचायत चिल्हारी के बकान टोला में लगभग 20 लाख रुपए की लागत से ग्रेवल सड़क का निर्माण कार्य कराया गया है वहीं इस सड़क में तीन जगह पर 15-15 लाख रुपए की लागत से पुल का निर्माण कार्य कराया गया है और यहां पर वर्तमान स्थिति यह है कि ना तो सड़क और ना ही पूल की कोई खास आवश्यकता देखने को मिल रही है लेकिन पंचायत बराबर विकास कार्य कर रहा है।

जिला मुख्यालय में बनाए करोड़ों की प्रॉपर्टी

ग्राम पंचायत चिल्हारी के सरपंच जब पहली बार सरपंच पद के लिए दावेदारी की थी तब वह एक महज साधारण से व्यक्ति थे और ग्राम पंचायत चिल्हारी में ही निवास करते थे उस समय उन्होंने अपनी आमदनी महज हजारों में दर्शाई थी लेकिन धीरे-धीरे विकास का कार्य चलता रहा और आज अनूपपुर जिला मुख्यालय में करोड़ों रुपए की प्रॉपर्टी बनाकर बैठे हुए हैं निश्चित तौर पर उनका विकास साफ देखने को मिल रहा है और उनकी इस विकास के पीछे ग्राम पंचायत चिल्हारी का पूरा-पूरा योगदान रहा है।

गांव में नहीं रहते सरपंच होती है परेशानी

चर्चा के दौरान ग्राम पंचायत के अधिकांश लोगों ने बताया कि सरपंच अधिकतर समय अनूपपुर में ही गुजारते हैं उन्हें जब भी किसी व्यक्ति को सरपंच से मिलने या किसी प्रकार के आवेदन की आवश्यकता होती है तो उन्हें काफी इंतजार करना पड़ता है बताया जा रहा है कि जब से वह सरपंच बने हैं और अपना विकास करते हुए अनूपपुर में निवास करने लगे हैं तब से वह पंचायत बहुत कम आते हैं।

पुलिस की तत्परता से चोरी गया पिकअप वाहन मात्र 6 घंटे में किया गया बरामद, एक गिरफ्तार

डिंडौरी न्यूज।

थाना कोतवाली क्षेत्र में वाहन चोरी की एक घटना में पुलिस ने उल्लेखनीय कार्य करते हुए मात्र 6 घंटे के भीतर चोरी गया पिकअप वाहन बरामद कर लिया है और एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

फरियादी गगनदास राजपाल, निवासी पुरानी डिंडौरी ने दिनांक 22 जून को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनका पिकअप वाहन (क्रमांक MP 52 GA 0159), जो कि 21 जून की शाम 6:45 बजे सब्जी मंडी के पास सड़क किनारे खड़ा किया गया था, अगली सुबह 8:15 बजे चोरी हो गया है।

थाना कोतवाली डिंडौरी में इस मामले में अपराध क्रमांक 414/25, धारा 303(2) BNS के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। पुलिस अधीक्षक श्री वाहनी सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमित वर्मा एवं एसडीओपी श्री विवेक गौतम के निर्देशन में थाना प्रभारी कोतवाली द्वारा विशेष टीम गठित कर त्वरित कार्यवाही की गई।

तकनीकी विश्लेषण व मुखबिर सूचना के आधार पर संदेही की पहचान लालू उर्फ राजपाल मिश्रा, पिता सुखन मिश्रा, उम्र 47 वर्ष, निवासी ग्राम सिमरिया, थाना चुरहट, जिला सीधी (वर्तमान पता – वार्ड क्र. 13, पुरानी डिंडौरी) के रूप में की गई।

पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि वह आर्थिक तंगी के चलते वाहन चोरी कर उसे प्रमोद गुप्ता के गल्ला गोदाम के पास छिपा कर रखा था और उसे बेचने की योजना बना रहा था। पुलिस टीम ने तत्परता से कार्य करते हुए चोरी गया पिकअप वाहन बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया।

इस सफल कार्यवाही में निम्न पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों की भूमिका सराहनीय रहीः निरीक्षक दुर्गा प्रसाद नगपुरे (थाना प्रभारी) सउनि मनमोहन सिंह सउनि प्रवीण खम्परिया प्र.आर. रोहित पटेल (36) प्र.आर. भूपेन्द्र यादव (293) आर. विनोद महोर (335) आर. नीलेश साहू (350) आर. हेमंत झारिया (330) प्र.आर. मुकेश प्रधान पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से जनता में भरोसा मजबूत हुआ है। डिंडौरी पुलिस कर्तव्यनिष्ठा के साथ जन सुरक्षा हेतु सदैव तत्पर है।

पांच दिनों से चार हाथियों को समूह ने राजेंद्रग्राम क्षेत्र में डाला डेरा

रातों मे तोड़ रहे ग्रामीणों के मकान, दहशत में ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। विगत पांच दिनों से चार हाथियों का समूह राजेंद्रग्राम क्षेत्र में दिन के समय जंगल में ठहरने हुए रात होते ही जंगल से लगे ग्रामीण अंचलों में पहुंचकर ग्रामीणों के घरो में तोड़फोड़ कर विभिन्न तरह के अनाजों को अपना आहार बना रहे हैं 22 जून को पांचवें दिन चारों हाथी राजेंद्रग्राम क्षेत्र के रौषरखार गांव से लगे बेनीबारी बीट के जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं, हाथियों के निरंतर विचरण से ग्रामीण परेशान एवं दहशत की स्थिति में रात रात भर जाग कर रात बिताने को बाध्य है। चार हाथियों का समूह 14 जून की रात छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही इलाके से अनूपपुर जिले में प्रवेश जैतहरी एवं अनूपपुर तहसील के ग्रामों में विचरण करते हुए विगत पांच दिनों से राजेंद्रगाम क्षेत्र में पहुंचकर विचरण कर रहे है यह हाथियों का समूह दिन में जंगल में रहने के बाद रात होते ही जंगल से लगे ग्रामीण अंचलों में पहुंचकर ग्रामीणों के मकानों को आहार की तलाश में निशाना बनाते हुए तोड़फोड़ कर विभिन्न तरह के अनाजों को अपना आहार बना रहे हैं। शुक्रवार की मध्य रात्रि चारों हाथी गुट्टीपारा बीट के जंगल में दिनभर रहने बाद रात होने पर बिजौरा निवासी धन्ना, अजीत, निहाली के तथा शनीवार की रात छींदपानी बीट के जंगल से निकलकर बिजौरा के संचरा के बैगानटोला निवासी रतनी बाई, टिल्लू, अमृत, कान्ता, लामू के मकानो/झोपड़ियो में तोड़फोड़ कर नुकसान करते हुए लमसरई, गर्जनबीजा से रविवार की सुबह बेनीबारी बीट के रौषरखार गांव से लगे जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं, चारों हाथियों को राजेंद्रग्राम क्षेत्र में खेतों मे खाने के अनाज ना मिल पाने के कारण संभवतः घरों में तोडफोड कर रहे है, हाथियों के निरंतर विचरण करने एवं ग्रामीण के संपत्तियों का नुकसान करने के कारण हाथी का विचरण से ग्रामीण अपनी संपत्तियों को बचाने के लिए रात रात भर जाग कर रात बिताने को बाध्य है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, सोमवार 23 जून 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

नवोदय प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नवोदय विद्यालय समिति बोहानी द्वारा कक्षा 6 वीं में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 13 दिसम्बर 2025 को आयोजित की जायेगी। नवोदय प्रवेश चयन परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन- आवेदन करने का कार्य प्रारंभ किया जा चुका है, ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। इच्छुक विद्यार्थी अपना ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन नवोदय विद्यालय समिति की बेवसाइट पर जाकर कर सकते है। जिला शिक्षा अधिकारी नरसिंहपुर ने सभी शासकीय हाई एवं हायर सेकेंडरी विद्यालय के संकुल प्राचार्यों से कहा है कि वे संकुल अंतर्गत आने वाली समस्त शालाओं के प्रधान पाठकों को अधिक से अधिक और न्यूनतम 10 आवेदन फार्म ऑनलाइन भरवाना सुनिश्चित करें, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थी चयन परीक्षा में शामिल हो सकें।

पेंशनर एसोसिएशन का ज्ञापन आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सोमवार को मप्र विद्युत मंडल पेंशनर एसोसिएशन एवं मप्र पेंशनर्स समाज द्वारा अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा। उक्त संबंध मे बताया गया कि पेंशनरों की विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया जावेगा।

सहकारी समिति के रिश्वतखोर प्रशासक को सजा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस न्यायालय विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, नरसिंहपुर नीतिराज सिंह सिसोदिया के न्यायालय द्वारा आरोपी शैलेन्द्र सिंह भाटी आयु 61 वर्ष, सहकारी निरीक्षक, कार्यालय उप आयुक्त सहकारिता नरसिंहपुर को धारा 7(ख) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 में दोषसिद्ध पाते हुये 3 वर्ष एवं 5000 रुपये व धारा 13(1)(ख) सहपठित धारा 13(2) में 4 वर्ष का कठोर कारावास एवं 5000 रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया है। अभियोजन मे बताया गया कि आरोपी द्वारा मजदूरी का पैसा निकालने के एवज दस हजार रूपए की रिश्वत मांगी गई थी। न्यायालय में शासन की ओर से मामले की पैरवी विशेष लोक अभियोजक रामकुमार पटेल द्वारा की गई। अभियोजन के द्वारा साक्षियों का परीक्षण कराया गया तत्पश्चात मौखिक तर्क प्रस्तुत किये गये जिनसे सहमत होते हुए न्यायालय द्वारा आरोपी शैलेन्द्र सिंह भाटी को धारा 7(ख) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 में दोषसिद्ध पाते हुये 3 वर्ष का कठोर कारावास एवं 5000 रुपये अर्थदंड व धारा 13(1)(ख) सहपठित धारा 13 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 में 4 वर्ष का कठोर कारावास एवं 5000 रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया है।

मूंग उर्पाजन हेतु पंजीयन 5 तक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राज्य शासन के किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग भोपाल के निर्देशानुसार वर्ष 2025 विपणन वर्ष 2025- 26 में प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत ई-उपार्जन पर ग्रीष्मकालीन फसल मूंग एवं उड़द को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर पंजीयन के लिए ई-उपार्जन पोर्टल पर 19 जून से 5 जुलाई 2025 तक किया जायेगा। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने जिले के किसानों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए उत्पादित ग्रीष्मकालीन फसल मूंग एवं उड़द के पंजीयन कार्य के लिए 54 पंजीयन केन्द्रों का निर्धारण किया है।

ठेमी पुलिस जांच में जुटी

फांसी के फंदे से लटका मिला व्यक्ति का शव शरीर में लिखे नाम, सुसाइड नोट बरामद

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस थाना क्षेत्र ठेमी के ग्राम घाट पिपरिया में व्यक्ति का शव गांव की ही धर्मशाला में लटका मिला जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को फंदे से उतारा और मर्ग पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मृतक के शरीर से पर कुछ लोगों के नाम लिखे मिले तथा लाश के पास सुसाइड नोट भी मिला पुलिस मामले के प्रत्येक पहलुओं से जांच मे जुटी हुई । अब देखना होगा कि पुलिस द्वारा की जाने वाली जांच में क्या सामने आता है।

घटना इस प्रकार

विगत दिवस थाना क्षेत्र ठेमी के ग्राम घाट पिपरिया में गांव की धर्मशाला मे लोचन मल्लाह उम्र 45 वर्ष निवासी घाट पिपरिया का शव फांसी के फंदे से लटका मिला सुबह ग्रामीणों ने शव को फांसी मे लटका देखा तो पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को फंदे से उतारकर मर्ग प्रकरण तैयार किया गया तथा शव को परीक्षण हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर शव परीक्षण के उपरांत परिजनों को सौंप दिया गया। वही पुलिस मामले के प्रत्येक दृष्टिकोण से जांच कर रही है।

परिवार के साथ सोया था व्यक्ति

उक्त मामले को लेकर बताया गया कि व्यक्ति अपने घर पर परिवार के साथ सोया था और दूसरे दिन सुबह उसका शव गांव की धर्मशाला मे फांसी के फंदे से लटका मिला। मृतक के शरीर पर गांव के ही पांच व्यक्तियों के नाम लिखे मिले वही शव के पास से एक सुसाइड नोट भी मिला पुलिस व्यक्ति की आत्महत्या के कारणों की जांच मे जुटी है वही शरीर पर लिखे हुए नाम स्पष्ट नही है जिस कारण से समझने परेशानी उत्पन्न हो रही है। पुलिस द्वारा की जा रही जांच के उपरांत सच सामने आ सकता है। घर पर सोया हुआ व्यक्ति धर्मशाला तक कैसे पहुंचा और फांसी लगाने के कारण क्या है।

इन लोगो के मिले नाम

मृतक के शरीर पर जिन लोगों के नाम लिखे है उनमें परमलाल, प्रवेश, केदार, मुकेश और शौकीलाल गांव के ही निवासी है। वही बरामद हुए सुसाइट नोट मे व शरीर पर लिखे नामों लिखावट स्पष्ट नही है। मृतक के एक बेटा और बेटी है। जांच अधिकारी चंद्रकांत प्रजापति द्वारा बताया गया कि मृतक के शरीर पर लिखे नाम वाले व्यक्तियों का घटना से क्या संबंध है। साथ ही यह भी जांच हो रही है कि क्या यह मामला किसी दबाव या प्रताड़ना से जुड़ा है। मृतक के एक बेटा और एक बेटी हैं, दोनों विवाहित हैं। पुलिस द्वारा मामले से जुड़े प्रत्येक पहलु से जांच की जा रही है। अब देखना होगा कि जांच मे क्या सामने आता है।

किराए पर लिया वाहन, पैसे देने आनाकानी पुलिस से की शिकायत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र कोतवाली निवासी यतेन्द्र कुमार पिता गजेन्द्र महाजन निवासी सिविल लाईन द्वारा पुलिस अधीक्षक से की गई शिकायत मे बताया कि निजाम उर्फ करन सिह भदौरिया पिता तुलाराम भदौरिया निवासी नाला के पास, देव मुरलीधर वार्ड, गोटेगांव द्वारा वाहन किराये से लिए गए थे जिसमें लिखित एग्रीमेंट भी कराया गया था आवेदन मे बताया गया है कि वह शासकीय एवं अन्य संस्थाओं में वाहन मासिक किराये से देने का काम करता है जिससे आवेदक उसके परिवार का खर्च वलता है एवं वाहनों की कि समय पर अदा करता है आवेदक वाहन फाइनेंस कराकर मासिक किराये पर देता है। विगत करीब 02 वर्षों से अनावेदक को वाहनो की किरायेदारी स्टाम्प पेपर पर एग्रीमेंट करवाकर अनावेदक को दिया गया था जिसपर वाहन लेने के बाद पैसे नही दिए जा रहे है। सभी वाहनों की कुल राशि 73 लाख 85 हजार रूपए लेना शेष है वही पैसे मांगने पर हरिजन एक्ट मे फसाने की धमकी भी दी जाती है। वही वाहन भी नही लौटाया जा रहा है।

बरगी नहरों से सिंचाई के लिए जल हेतु मांग पत्र आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। की खरीफ फसलों की बरगी नहरों से सिंचाई के लिए जल लेने गोटेगांव व नरसिंहपुर तहसील के संबंधित लगभग 126 ग्रामों के किसानों से 31 जुलाई 2025 पूर्व मांग पत्र एवं अनुबंध प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है, ताकि नहरों से खरीफ फसलों के लिए निर्धारित तिथि से जल प्रवाह किया जा सके। इन ग्रामों में मुख्य नहर की आरडी 63.420 से 81.300 किमी तक वितरण प्रणालियों में क्रमशरू हरेरी शाखा नहर एवं करेली वितरण नहर व देवरी वितरण नहर, बगासपुर, रामनिवारी व तिघरा माइनर, कमांड की माइनरोंध्सब माइनरों से लगभग 126 ग्रामों की लगभग 3 हजार हेक्टर भूमि में निर्मित नहर प्रणाली से खरीफ फसलों की सिंचाई करने का लक्ष्य रखा गया है। यह जानकारी कार्यपालन यंत्री रानी अवंती बाई लोधी सागर नहर संभाग दो गोटेगांव ने दी है। इस सिलसिले में कार्यपालन यंत्री रानी अवंती बाई लोधी सागर नहर संभाग गोटेगांव ने जिले के गोटेगांव व नरसिंहपुर तहसील के संबंधित ग्रामों के किसानों से आग्रह किया है कि वे मांग पत्र एवं अनुबंध समक्ष प्राधिकारी बगासपुर, जल उपभोक्ता संथा देवनगर, दबकिया, मनकवारा, खमरिया, कुसीवाड़ा, कमोद, भैंसा, आंखीवाड़ा, कमोद, देवरी, तिंदनी एवं मुराछ आदि के माध्यम से अनुविभागीय अधिकारी रानी अवंती बाई लोधी सागर नहर उपसंभाग बगासपुर एवं गोटेगांव को 31 जुलाई 2025 के पूर्व तक प्रस्तुत करें।

एम आई एम टी कॉलेज में हुआ सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग भोपाल एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के निर्देशानुसार एम. आई. एम. टी. कॉलेज नरसिंहपुर में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं, एन.सी.सी., एन.एस.एस. के कैडेट्स द्वारा सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग ने जीवन में योग का महत्व को उल्लेख करते हुए नियमित योग एवं निरोगी काया प्राप्त करने की बात पर बल दिया। कार्यक्रम में योग, प्राणायाम एवं सूर्य नमस्कार के माध्यम से युवाओं को विविध आसनों का अभ्यास कराया गया। 1 एम. पी. बटालियन एन. सी. सी. जबलपुर के कमान अधिकारी कर्नल समीर बोडास के निर्देशानुसार जनजागरूकता हेतु युवाओं को जीवन में योग को शामिल करने हेतु व्याख्यान के माध्यम से प्रेरित किया गया। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के संदेश को संचारित किया गया। कार्यक्रम का संचालन एन.सी.सी. अधिकारी मेजर डॉ. पराग नेमा एवं आभार एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती आराधना दुबे द्वारा किया गया। सम्पूर्ण आयोजन में उपप्राचार्य डॉ. एस. एन. राव, ले. जितेन्द्र कुमार मिश्रा सहित विभागाध्यक्षों एवं स्टाफ मेम्बर्स की विशेष उपस्थिति रहीं।

करकबेल स्कूल मे आयोजित योग शिविर मो शामिल हुए विधायक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर

जिले में 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस शासकीय विद्यालयों और अन्य स्थानों में आयोजित किये गये। इसी क्रम में विधायक महेन्द्र नागेश पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करकबेल में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि योग शरीर को स्वस्थ रखने, मन को आनंदित रखने के लिए सशक्त माध्यम है। योग ही हमें स्वस्थ, सुखी और संतुलित जीवन जीने की दिशा में आगे बढ़ाता है। उन्होंने सभी से कहा कि वे योग को अपने जीवन में हिस्सा अवश्य बनायें। जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालय, हाई व हायर सेकेंडरी विद्यालयों में योगाभ्यास के कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसके अलावा समस्त संदीपनी, उत्कृष्ट शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुंगवानी, हायर सेकेंडरी विद्यालय नेहरू, भैंसा, ठेमी, नरसिंहपुर सहित जिले के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के विद्यालयों में योगाभ्यास के कार्यक्रम आयोजित किये गये। इन कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधि, प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी और आम नागरिक भी शामिल हुए।

गीता रामायण पर व्याख्यान, भजन व सम्मान समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस स्थानीय बरिया वाले हनुमान जी के मंदिर में आयोजित सत्संग कार्यक्रम में पं.रामस्वरूप शर्मा ने कहा कि मोह हमे सांसारिक बंधनों से बांधता है जबकि भक्ति परमात्मा से जोड़ती है । हम सत्संग भक्ति से अपने कर्म आचरण मन वाणी में परमात्मा को उतारें। इस संसार से भागें नहीं अपितु इस में रहकर इसे सुंदर बनायें। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में यही संदेश अर्जुन को दिया है। साहित्यकार कवि अशोक त्रिपाठी ने मानस के राम वन गमन प्रसंग से मां के स्वरूप को उभारते हुए कहा कि एक मां कैकयी है जो अपने पुत्र के मोह में राम को वन भेज रही है। दूसरी मां सौमित्रा हैं जो राम की सेवा के लिए पुत्र लक्ष्मण को वन भेज रही हैं। तीसरा मां कौशल्या हैं जो पिता के वचनों के परिपालन हेतु अपने पुत्र राम को वन गमन जाने हेतु आशीष दे रहीं हैं। हे मातृशक्ति तुम मां सौमित्रा बनना कौशल्या बनना पर कभी कैकयी मत बनना। मां मां होती है जगत जननी होती है। उक्त अवसर पर वरिष्ठ जन परिषद और आयोजन समिति की ओर से सेवानिवृत नरसिंहपुर तहसील पेंशनर समाज अध्यक्ष अनिल राय का शाल श्रीफल से सम्मान और अभिनंदन किया गया। भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें भजन गायक मदन कुमार श्रीवास्तव पं.सी बी शर्मा नारायण श्रीवास्तव ने सुमधुर भजन प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में गणेश कुमार चतुर्वेदी पं.एम एल हरदेनिया देवेन्द्र दुबे दिनेश श्रीवास्तव डा महेश त्रिपाठी डा केदार गुप्ता एस के चतुर्वेदी अशोक वर्मा डी डी गोस्वामी सुभाष सोनी बी एस पटेल प्रभात राय सुधीर दुबे विजय शर्मा राजेन्द्र पटेल अरुण खरे छत्रपाल कोरी रमेश मेहरा बबलू नेमा अशोक नेमा राजेन्द्र सिंह राय सहित अनेक श्रोता गण उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन अरुण कुमार खरे ने किया।

महिला ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण हेतु साक्षात्कार 26 को

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले के ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों के लिए महिला ब्यूटी पार्लर 35 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सेंट आरसेटी- ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान नरसिंहपुर में प्रारंभ किया जायेगा। इस प्रशिक्षण में साक्षात्कार के लिए 22 जून से 26 जून तक लिया जायेगा। चयन होने के पश्चात 26 जून से प्रशिक्षण प्रारंभ किया जायेगा। प्रशिक्षण के उपरांत मुद्रा योजना के तहत हितग्राही के सेवा क्षेत्र के अनुसार स्व- रोजगार स्थापित करने के लिए ऋण आवेदन निरूशुल्क बैंकों में भेजा जायेगा। एक बैच के प्रशिक्षण में 35 सीट अभ्यर्थियों की रहेगी। प्रशिक्षण में प्रवेश लेने के लिए आवेदक को आवेदन के साथ आधार कार्ड, आधार कार्ड के अनुसार 18 से 45 उम्र, 8 वीं पास मार्कशीट, बीपीएल राशन कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, एसईसीसी डाटा और 4 फोटो लगाना आवश्यक है। अधिक जानकारी के लिए सुभाष वार्ड स्थित जिला पंचायत कार्यालय के बाजू में सेंटआर सेटी- ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्था में या दूरभाष पर सम्पर्क किया जा सकता है। यह जानकारी निदेशक आरसेटी नरसिंहपुर ने दी है।फांसी के फंदे से लटका मिला व्यक्ति का शव

एफ एल एन द्वितीय बैच का प्रशिक्षण हुआ संपन्न

तेंदूखेड़ा नवीन शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ हो गया है। बच्चों की शिक्षा को बेहतर व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार द्वारा शिक्षकों को समय समय पर हर माह जिला स्तर पर विकासखंड स्तर पर शिक्षक शिक्षिकाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। आगामी सत्र में बच्चों को और सरल तरीके से अध्ययन कराया जा सके इसी तारतम्य में विकासखंड चांवरपाठा में 21 जून से एफ एल एन रिफ्रेशर गणित विषय कक्षा पहली दूसरी पढ़ाने वाले शिक्षकों के प्रशिक्षण का द्वितीय बेच संपन्न हुआ। समापन अवसर पर बी आर सी सुनील श्रीवास्तव के द्वारा सभी शिक्षकों को मार्गदर्शन देते हुए प्रशिक्षण में बताए गए नवीन बिंदुओं को अपनी शाला के बच्चों के अध्यापन में शामिल करते हुए कक्षाओं का विधिवत संचालन करने निर्देशित किया।तथा खेल गतिविधियां आयोजित करने में फ्लोर गेम का उपयोग करने को कहा गया। प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर सतीश शर्मा नंदकिशोर शर्मा अमित मिश्रा कमलेश शर्मा अशोक पटेल एवं नूरुद्दीन खान के द्वारा दिया गया। तृतीय बेच का प्रशिक्षण सोमवार दिनांक 23 जून से प्रारंभ होगा। जिसमें कुल 75 शिक्षक भाग लेंगे।

सत्र नया हालात वही पुराने

विद्यालय भवनों में पानी रिसाव के बीच बैठेंगे छात्र

तेंदूखेड़ा

विगत 16 जून से पुनः नये शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ हो गया है।शिक्षक भी विद्यालय में पहुंच कर नव प्रवेशित बच्चों को पुस्तक वितरण के साथ दाखिला देने स्थानांतरण प्रमाणपत्र देने में व्यस्त देखे जा रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण विषय तो यह है कि भले ही 2025-26 का शुभारंभ हो गया है लेकिन चांवरपाठा विकास खंड के अंतर्गत हालात अभी वही पुराने बनें हुए हैं। बरसात के दिनों में रिसते शाला भवन टायलेट की समस्या शाला भवनों में विचरण करते हुए जंतुओं और शिक्षकों की कमी मुख्य रुप से समस्याएं हावी हैं। विगत वर्षों में भी उक्त समस्याओं को लेकर अधिकारियों को समाचार पत्रों के माध्यम से अवगत कराया गया था लेकिन कागजी घोड़े ही दौड़ा कर इति श्री हो गई थी। आंकड़े बताते हैं कि विकास खंड में 55 शालायें जर्जर स्थिति में चिन्हित की गई थी। लेकिन इनमें मात्र 13 शालाओं की ही मरम्मत जारी है। तथा 03 शालाओं में नये अतिरिक्त कक्षों का निर्माण कार्य शुरू हुआ है।शेष शालाओं के मरम्मत कार्य के प्रस्ताव जिला कार्यालय में पड़े हुए हैं। तथा जिन शालाओं में हालात काफी गंभीर बनें हुए हैं उन स्कूलों में वैकल्पिक तौर पर बैठने की व्यवस्था भी जिला अधिकारियों के निर्देशन में तय होगी।

हथनी और दूपखेडा स्कूलों में होता है पानी का और विचरण करते हैं जहरीले जंतु

हमारे प्रतिनिधि के द्वारा चांवरपाठा विकास खंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम हथनी प्राथमिक शाला में यहां के शिक्षक भवन के ऊपर पनी डालकर ऊपर के पानी को रोकते हैं। फिर भी पानी दीवाल के सहारे नीचे फर्श तक आ ही जाता है। यहां पर जहां बच्चों को बैठने की गंभीर समस्या तो बनीं ही हुई है वहीं सबसे बड़ी समस्या विद्यालय परिसर का किचिन रुम खंडहर में तब्दील हो गया है। और यहां पर आये दिन जहरीले सांप गुहेरे और बिच्छू खुलेआम विचरण करते हुए देखे सुने जा सकते हैं।यही स्थिति ग्राम दूपखेडा में संचालित प्राथमिक शाला में चारों तरफ से पानी का रिसाव होता है। बच्चों को बैठने तक जगह नहीं बचती है। यहां पर मात्र तीन बच्चे ही अध्ययन किया करते हैं।इसी भवन में आंगनवाड़ी भी लगा करती है।देवरी राजमार्ग हायर सेकंडरी स्कूल भवन में बीचोंबीच पानी का भराव हो जाने के कारण छात्रों को आवागमन में परेशानी हुआ करती है।

टूटे पड़े शौचालय परिसर

छात्रों को टायलेट शौचालयों की व्यवस्था हेतु शासन के द्वारा पिछले सालों में पर्याप्त राशि मुहैया कराई गई थी। लेकिन ग्रामीणों की अनदेखी और निर्माण कार्य कराने वाले जबाब दारों की मनमानी के चलते ग्रामीणों क्षेत्रों में शौचालय कंडो के बिठा बनें हुए हैं तो शौचालय चौक होने नाली और पानी की समस्यायों के चलते टूटे पड़े गेटों के कारण छात्रों को बाहर निस्तार के लिए जाना मजबूरी बनीं हुई है। विकासखण्ड के ऐसे बहुत से स्कूल भवन है जिनके निर्माण कार्य को अभी तीन साल भी नहीं हुये हैं और उनकी दीवालें दरकने से लेकर विसंगति ही विसंगति देखनें को मिला करती हैं।

इनका कहना है

विकासखंड में 55 जर्जर शालाओं को चिन्हित किया गया है। 13 शालाओं की मरम्मत का कार्य चल रहा है ।0 3 शालाओं में नए अतिरिक्त कक्ष स्वीकृत कराकर कार्य प्रारंभ हो गया है। शेष शालाओं की मरम्मत का प्रस्ताव जिला कार्यालय भेज दिए गए हैं। जिला शिक्षा केंद्र से शालाओं की मरम्मत राशि प्रदान की जाएगी तत्काल ही वहां पर कार्य प्रारंभ हो जाएगा। जिन शालाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय बनी हुई है उनका भी प्रस्ताव जिला कार्यालय के पास भेजे गए हैं। बच्चों को वैकल्पिक तौर पर बैठने की व्यवस्था भी अनुमति के आधार पर तय की जाएगी।

सुनील श्रीवास्तव
बी आर सी चांवरपाठा